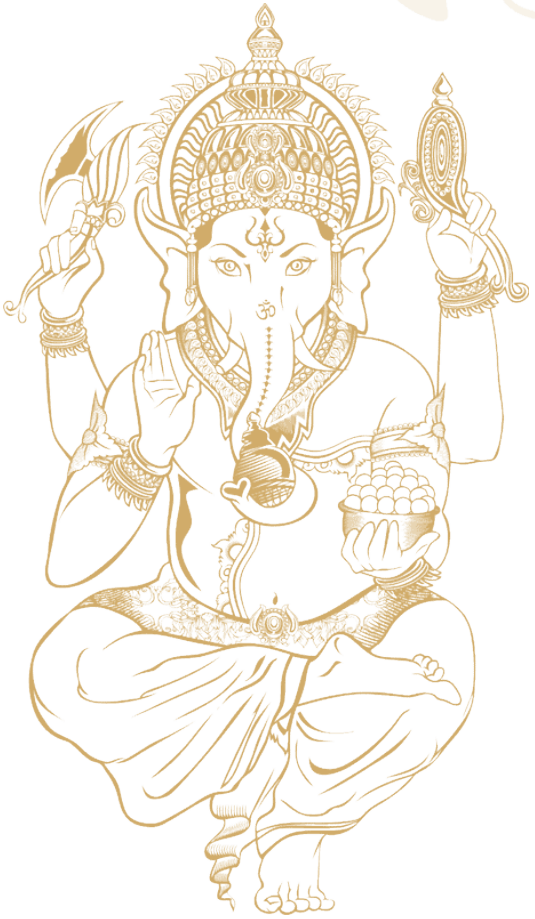

Ashutos upadhya

06 Dec 1999

06:49 PM

Sultanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120955004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/12/1999**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:49:00 घंटे**
इष्ट	30:33:34 घटी
स्थान	**Sultanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:15:00 उत्तर
रेखांश	82:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:01:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:47:16 घंटे
वेलान्तर	00:09:12 घंटे
साम्पातिक काल	23:46:49 घंटे
सूर्योदय	06:35:34 घंटे
सूर्यास्त	17:09:35 घंटे
दिनमान	10:34:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	20:06:45 वृश्चिक
लग्न के अंश	14:19:08 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 1**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सुकर्मा
करण	शकुनि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ना-नवीन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:19:08	321:25:41	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	20:06:45	01:00:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	05:05:09	11:55:02	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	नीच राशि
मंगल			मक	14:01:41	00:46:14	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध			वृश्चि	00:14:33	01:13:04	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मेष	01:30:08	00:02:55	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			तुला	06:51:26	01:09:52	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि	व		मेष	17:37:33	00:03:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कर्क	11:04:06	00:10:20	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	11:04:06	00:10:20	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:49:38	00:02:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	08:30:38	00:01:39	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:37:44	00:02:20	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			मीन	02:33:01	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:07

लग्न-चलित

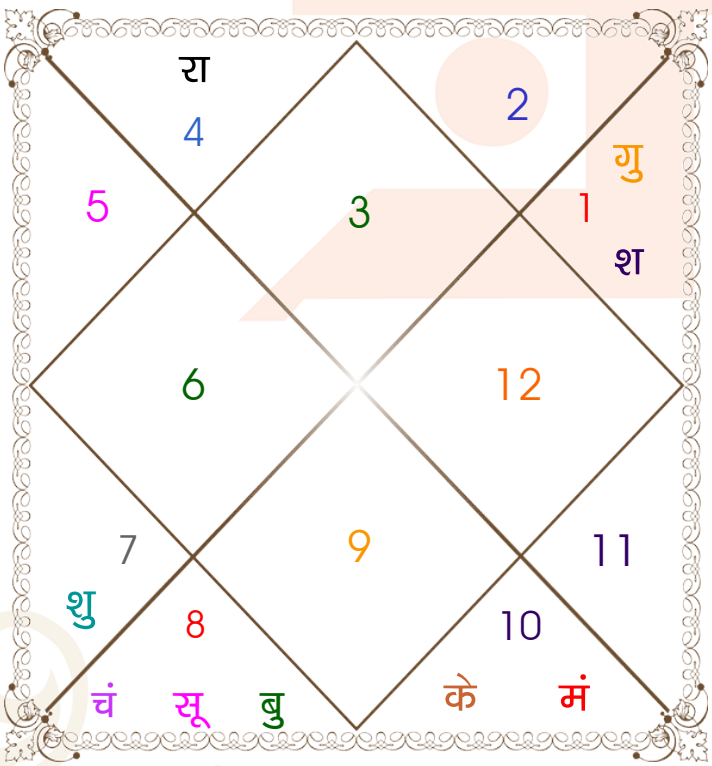

चन्द्र कुंडली

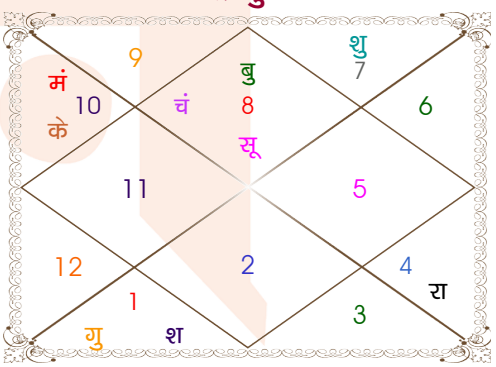

नवमांश कुंडली

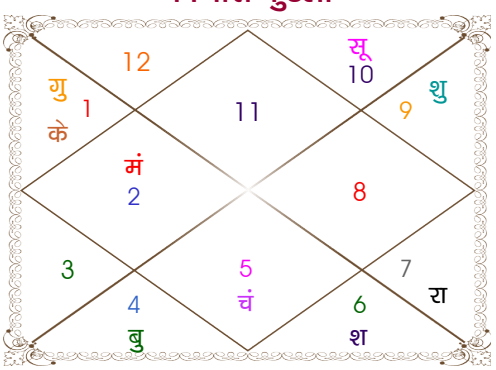

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 16 वर्ष 6 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/12/1999		07/06/2016		07/06/2033		07/06/2040		07/06/2060	
07/06/2016		07/06/2033		07/06/2040		07/06/2060		07/06/2066	
शनि	10/06/2000	बुध	04/11/2018	केतु	03/11/2033	शुक्र	07/10/2043	सूर्य	24/09/2060
बुध	18/02/2003	केतु	01/11/2019	शुक्र	03/01/2035	सूर्य	07/10/2044	चंद्र	26/03/2061
केतु	29/03/2004	शुक्र	01/09/2022	सूर्य	11/05/2035	चंद्र	07/06/2046	मंगल	01/08/2061
शुक्र	30/05/2007	सूर्य	08/07/2023	चंद्र	10/12/2035	मंगल	08/08/2047	राहु	26/06/2062
सूर्य	10/05/2008	चंद्र	07/12/2024	मंगल	07/05/2036	राहु	07/08/2050	गुरु	14/04/2063
चंद्र	10/12/2009	मंगल	04/12/2025	राहु	26/05/2037	गुरु	07/04/2053	शनि	26/03/2064
मंगल	19/01/2011	राहु	22/06/2028	गुरु	02/05/2038	शनि	07/06/2056	बुध	30/01/2065
राहु	25/11/2013	गुरु	28/09/2030	शनि	11/06/2039	बुध	08/04/2059	केतु	07/06/2065
गुरु	07/06/2016	शनि	07/06/2033	बुध	07/06/2040	केतु	07/06/2060	शुक्र	07/06/2066

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
07/06/2066		07/06/2076		08/06/2083		08/06/2101		08/06/2117	
07/06/2076		08/06/2083		08/06/2101		08/06/2117		00/00/0000	
चंद्र	08/04/2067	मंगल	03/11/2076	राहु	18/02/2086	गुरु	27/07/2103	शनि	07/12/2119
मंगल	07/11/2067	राहु	22/11/2077	गुरु	13/07/2088	शनि	07/02/2106		00/00/0000
राहु	08/05/2069	गुरु	28/10/2078	शनि	20/05/2091	बुध	15/05/2108		00/00/0000
गुरु	07/09/2070	शनि	07/12/2079	बुध	07/12/2093	केतु	20/04/2109		00/00/0000
शनि	07/04/2072	बुध	03/12/2080	केतु	25/12/2094	शुक्र	20/12/2111		00/00/0000
बुध	06/09/2073	केतु	02/05/2081	शुक्र	25/12/2097	सूर्य	08/10/2112		00/00/0000
केतु	08/04/2074	शुक्र	02/07/2082	सूर्य	19/11/2098	चंद्र	07/02/2114		00/00/0000
शुक्र	07/12/2075	सूर्य	07/11/2082	चंद्र	21/05/2100	मंगल	14/01/2115		00/00/0000
सूर्य	07/06/2076	चंद्र	08/06/2083	मंगल	08/06/2101	राहु	08/06/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 16 वर्ष 6 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।